अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-II

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2019 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-I, Hindi (2019 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
II	Major (Mandatory)	HIN4201	मध्ययुगीन हिंदी काव्य	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN4202	हिंदी नाटक विधा	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN4203	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN4204	विशेष विधा : हिंदी उपन्यास	Theory	04
			Total Credits Semester-II		**16**

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – II

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

PAPER CODE : HIN4201

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme: M.A. Hindi

Program Code : HIN

Class : M. A. - I

Semester : II

Course Type : Major Mandatory

Course Name : **मध्ययुगीन हिंदी काव्य**

Course Code : HIN4201

No. of Lectures : 60

No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1.हिंदी के आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना।

2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय करना।

3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

4. मध्ययुगीन काव्य के प्रमुख हस्तारक्षरों की कविता का आधुनिक बोध कराना।

5. मध्ययुगीन भाषा और अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचय करना।

6. मध्ययुगीन काव्य के प्रति रुचि निर्माण करना।

7. मध्ययुगीन काव्य के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-मध्यकालीन कवि तथा कविता का बोध होगा।

CO2-सगुण–निर्गुण कवियों की काव्य विशिष्टता की पहचान कर पाएंगे।

CO3-मध्ययुगीन भाषा और अभिव्यक्ति के विविध रूपों की पहचान होंगी।

CO4-काव्य परंपरा की जानकारी मिलेंगी।

CO5-काव्य के अध्ययन से छात्रों की प्रतिभा विकसित होंगी।

CO6-जीवन मूल्यों का महत्व समझ में आएगा।

CO7-मध्यकालीन समस्या, विचार, भावना से छात्र रूबरू होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अध्ययन यात्रा ।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर
मध्ययुगीन हिंदी काव्य
(सूरदास, बिहारी तथा भूषण)
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अध्ययन यात्रा ।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

पाठ्यपुस्तकें :

1) सूरदास : भ्रमरगीत सार

संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
प्रकाशक : श्री. गोपालदास पोरवाल, सहित्य सेवा सदन, वाराणसी 1
ससंदर्भ व्याख्या के लिए पद :
पदक्रम– 21 से 60 = 20

(तासिकाएँ 11 घंटे)

2) बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर'

प्रकाशक : प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. – 2006
ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे :

1, 22, 25, 32, 35, 38, 45, 60, 67, 73, 76, 94, 126, 152, 181, 201, 217, 251, 277, 283, 301, 318, 322, 345, 373, 388, 425, 472, 496, 530,

(तासिकाएँ 11 घंटे)

3) रीतिकाव्य धारा : संपादक : डॉ.रामचंद्र तिवारी/डॉ.रामफेर त्रिपाठी

प्रकाशक : विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी
(तासिकाएँ
ससंदर्भ व्याख्या के लिए कवि भूषण के पद : 01 से 10 = 10

08 घंटे)

(तीनों की कुल तासिकाएँ 11+11+08=30घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–02)

अध्ययनार्थ कवि :

1) सूरदास
2) बिहारी
3) भूषण

अध्ययनार्थ विषय :

1) सूरदास – व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2) भ्रमरगीत का उद्‌देश्य
3. सूरदास के काव्य में वियोग वर्णन
4. भ्रमरगीत : एक उपालंभ काव्य
5. सूर के भ्रमरगीत की विशेषताएँ
6) भ्रमरगीत में प्रकृति चित्रण
7)भ्रमरगीत की काव्यकला
8)सूर की काव्य कला

(तासिकाएँ 10 घंटे)

9) बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व
10) रीतिसिद्‌ध कवि बिहारी
11) बिहारी का श्रृंगार वर्णन–संयोग और वियोग वर्णन
12)बिहारी का सौदर्य चित्रण
13) बिहारी की बहुज्ञता
14) बिहारी की भक्तिभावना
15) बिहारी की काव्य कला

(तासिकाएँ 10 घंटे)

16) सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान
17) भूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
18) भूषण के काव्य में वीर रस
19) भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
20) भूषण की काव्य कला
21) भूषण के काव्य की भाषा – शैली
22) रीति काव्य में भूषण का योगदान

(तासिकाएँ 10 घंटे)

(तीनों की कुल तासिकाएँ 10+10+10=30**घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट**–02)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास और उनका साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा
2. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम
4. सूर साहित्य – डॉ. हजारीप्रसाद द्‌विवेदी
5. सूर की भाषा – डॉ. प्रेमनारायण टंड़न
6. कृष्णकाव्य और सूर : सांस्कृतिक संदर्भ – डॉ. प्रेमशंकर
7. सूरदास – आ. रामचंद्र शुक्ल
8. सूरदास : एक पुनरावलोकन – डॉ. ओम प्रकाश शर्मा
9. महाकवि सूरदास – आ. नंददुलारे वाजपेजी
10. भ्रमरगीत का काव्य सौदर्य – डॉ. सत्येंद्र पारिख
11. भ्रमरगीत : एक अन्वेषण – डॉ. सत्येंद्र
12. सूर की गोपिका : एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. प्रभारानी भाटिया
13. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
14. बिहारी का तुलनात्मक अध्ययन – पं. पद्‌मसिंह शर्मा

15. बिहारी और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री
16. बिहारी काव्य का मूल्यांकन – किशोरी लाल
17. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
18. सूर की मौलिकता – डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री
19. हिंदी के प्राचीन कवि – डॉ. दयानंद शर्मा
20. रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव – डॉ. दयानंद शर्मा
21. संक्षिप्त भूषण – डॉ. भगवानदास तिवारी
22. भूषण ग्रंथावली – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4201

Tittle of Course : मध्ययुगीन हिंदी काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			3						
CO 2					3	3			
CO 3			3						
CO 4					2	2			
CO 5									
CO 6									
CO 7					3	3		3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO6- जीवन मूल्यों का महत्व समझ में आएगा।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO3- मध्ययुगीन भाषा और अभिव्यक्ति के विविध रूपों की पहचान होंगी।

CO1- मध्यकालीन कवि तथा कविता का बोध होगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO2- सगुण-निर्गुण कवियों की काव्य विशिष्टता की पहचान कर पाएंगे।

CO4- काव्य परंपरा की जानकारी मिलेंगी।

CO7- मध्यकालीन समस्या विचार भावना से छात्र रूबरू होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO2- सगुण-निर्गुण कवियों की काव्य विशिष्टता की पहचान कर पाएंगे।

CO4- काव्य परंपरा की जानकारी मिलेंगी।

CO7- मध्यकालीन समस्या विचार भावना से छात्र रूबरू होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO7- मध्यकालीन समस्या विचार भावना से छात्र रूबरू होंगे।

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.-I]

SEMISTER – II

हिंदी नाटक विधा

PAPER CODE : HIN4202

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** HIN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** II
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** हिंदी नाटक विधा
Course Code	**:** HIN4202
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. प्रमुख नाटक विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख नाटक विधाओं विकास क्रम की जानकारी देना।
3. नाटक विधा के स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझाने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. नाटक के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी होंगी।
5. नाटक और रंगमंच की जानकारी देना।
1. नाटक विधा के प्रति रुचि बढ़ना।
2. नाटक विधा में चित्रित विभिन्न समस्याओं की जानकारी देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-हिंदी नाटक साहित्य के बारे में ज्ञान प्राप्त होंगा।
CO2-नाटक के माध्यम से अभिनय में रुचि निर्माण होंगी।
CO3-हिंदी के नाटक तथा नाटककारों का परिचय होंगा।
CO4-नाटक के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होंगी।
CO5-नाटक से संबंधित विविध कलाएं विकसित होंगी।
CO6-नाटक के माध्यम से विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।
CO7-वास्तविकता से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक् –श्राव्य माध्यमों /साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर
हिंदी नाटक विधा
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्य पुस्तकें :

1. नाटक : 'अभंग गाथा' – नरेंद्र मोहन
   प्रकाशक : जगतराम एण्ड सन्स् , 24 /4855
   अन्सारी रोड, दरियागंज ,नई दिल्ली –110002
2. 'आषाढ़ का एक दिन'– मोहन राकेश
   प्रकाशक : राजपाल एण्ड सन्ज,
   कश्मीरी गेट प्रकाशन, दिल्ली –110006

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी नाटक विधा का विकास ।
2. नाटक : परिभाषा, स्वरूप तथा तत्व।
3. नरेंद्र मोहन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. तत्वों के आधार पर 'अभंग गाथा' नाटक की समीक्षा।
5. 'अभंग गाथा' : चित्रित समस्याएँ।
6. 'अभंग गाथा' : शिल्पगत विशेषताएँ।
7. 'अभंग गाथा' नाटक की प्रासंगिकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

8. 'अभंग गाथा' नाटक के आधार पर संत तुकाराम के विचार।
9. मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
10. तत्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा।
11. 'आषाढ़ का एक दिन' : चित्रित समस्याएँ।
12. 'आषाढ़ का एक दिन' : शिल्पगत विशेषताएँ।
13. 'आषाढ़ का एक दिन' : शीर्षक की सार्थकता।
14. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की प्रासंगिकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव जनेजा
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा
3. समसामयिक हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व अंकन – डॉ. टी. आर. पाटील
4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
5. हिंदी नाटक : आज–कल – डॉ. जयदेव तनेजा
6. सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक – रमेश गौतम
7. युगबोध और हिंदी नाटक – डॉ. सरिता वशिष्ठ
8. नव्य हिंदी नाटक – डॉ. सावित्री स्वरूप
9. उत्तरशती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
10. तुका म्हणे, भाग 1 और 2 (मराठी)– डॉ. दिलीप धोंडगे

———————————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4202

Tittle of Course : हिंदी नाटक विधा

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2						
CO 2						3			
CO 3						3			
CO 4		2				2			
CO 5					3	3			
CO 6								3	
CO 7									
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4-नाटक के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO1-हिंदी नाटक साहित्य के बारे में ज्ञान प्राप्त होंगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO5- नाटक से संबंधित विविध कलाएं विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO2-नाटक के माध्यम से अभिनय में रुचि निर्माण होंगी।

CO3-हिंदी के नाटक तथा नाटककारों का परिचय होंगा।

CO4-नाटक के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

CO5- नाटक से संबंधित विविध कलाएं विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6- नाटक के माध्यम से विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.]

SEMISTER – II

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

PAPER CODE : HIN4203

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - I
Semester : II
Course Type : Major Mandatory
Course Name : **पाश्चात्य साहित्यशास्त्र**
Course Code : HIN4203
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना ।
2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना ।
3. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
4. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।
5. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना ।
6. छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतो का ज्ञान कराना ।
7. छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना ।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
CO2-छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।
CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे।
CO5-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विविध विद्वानों से परिचित होंगे।
CO6-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के साम्य–वैषम्य को समझेंगे।
CO7-छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय होंगा।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 7 : विशेष स्तर
पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट = 04)

अध्ययनार्थ विषय :

1. प्लेटो :
   काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत
2. अरस्तू के काव्य सिद्धांत :
   क) अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।
   ख) विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन, विरेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन ।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक क्रेडिट– 01)

3. उदात्त सिद्धांत :
   उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान ।

4. आई. ए. रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत : काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई. ए. रिचर्डस् का योगदान।

(तासिकाएँ 05 घंटे + तासिकाएँ 10 घंटे = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक क्रेडिट– 01)

5. इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत : इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट का योगदान।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट–01)

6. विविध वाद सामान्य परिचय :
   क) प्रतीकवाद, बिंबवाद, अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंड़नवाद, उत्तरआधुनिकता – (केवल स्वरूप विवेचन तथा महत्व)

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
2. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरुप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
7. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतः एक विश्लेषण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

8. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई समीक्षा – डॉ. शिवकरण सिंह
9. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी
10. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी
11. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – संपा. देवीशंकर नवीन, सुशांतकुमार मिश्र
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चनसिंह
13. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ. रवींद्रसहाय वर्मा
14. हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
15. आधुनिक समीक्षा – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
16. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ. विष्णुदत्त राकेश
17. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सि़द्धांत – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्‌वाज
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्‌धांत – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
20. साहित्य : विविध वाद – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

————————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4203

Tittle of Course : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1								3	
CO 2									
CO 3	3								
CO 4					2	3			
CO 5					3	2			
CO 6					3	3			
CO 7	3								
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO3-छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO7-छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय होंगा।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे ।

CO5-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विविध विद्वानों से परिचित होंगे।

CO6-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के साम्य-वैषम्य को समझेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4-छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे ।

CO5-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विविध विद्वानों से परिचित होंगे।

CO6-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के साम्य-वैषम्य को समझेंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1-छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला HINDI [M.A.]

SEMISTER – II

हिंदी उपन्यास

PAPER CODE : HIN4204

(2019-2020)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** HIN
Class	**:** M. A. - I
Semester	**:** II
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** हिंदी उपन्यास
Course Code	**:** HIN4204
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
2. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना ।
3. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
4. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
5. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना।
6. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
7. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-हिंदी उपन्यास विधा से परिचित करना।
CO2-हिंदी उपन्यास तथा उपन्यासकारों से परिचित होंगे।
CO3-उपन्यास के स्वरूप, विवेचन तथा विशेषताओं से परिचित कराना।
CO4-हिंदी उपन्यास में चित्रित समस्या तथा परिस्थियों से परिचित कराना।
CO5-नैतिक मूल्यों से परिचित होकर अच्छे इंसान बनने की प्रवृत्ति विकसित होंगी।
CO6-उपन्यास का आकलन कर लेखन और निर्माण की प्रवृत्ति विकसित होंगी।
CO7-छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य साधनों/ माध्यमों का प्रयोग।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोग शाला का प्रयोग।
5. विशेषज्ञों के व्याख्यान।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)
विशेष विधा : हिंदी उपन्यास
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

विशेष अध्ययन के लिए उपन्यास :

1. चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा
   प्रकाशक – राजकमल प्रका. प्रा. लि., 1 बी नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज, नई दिल्ली.
2. गोदान–प्रेमचंद
   प्रकाशक – राजकमल प्रका. प्रा. लि., 1 बी नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज, नई दिल्ली.
   (कुल तासिकाएँ 07+08= 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
3. अलग अलग वैतरणी –शिवप्रसाद सिंह
   प्रकाशक–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. परिशिष्ट–गिरिराज किशोर
   प्रकाशक–राजकमल प्रका. प्रा. लि., 1 बी नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज, नई दिल्ली.
   (कुल तासिकाएँ 08+07= 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप तथा उपन्यास के तत्व।
2. हिंदी उपन्यास का विकासक्रम–प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास।
3. हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ–सामाजिक, तिलस्मी, जासूसी, राजनीतिक, आँचलिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।
4. उपन्यासों में भाव पक्ष तथा कला पक्ष का महत्व।
5. उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन–वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, पूर्वदीप्ति, चेतनाप्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

6. चित्रलेखा, गोदान, अलग–अलग वैतरणी, परिशिष्ट उपन्यासों का भाव पक्ष तथा कला पक्ष।
7. चित्रलेखा, गोदान, अलग–अलग वैतरणी और परिशिष्ट उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
8. चित्रलेखा, गोदान, अलग–अलग वैतरणी और परिशिष्ट उपन्यासों का विशेष अध्ययन।

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. उपन्यास का काव्यशास्त्र – डॉ. बच्चन सिंह
4. उपन्यास की शर्त – जगदीश नारायण श्रीवास्तव
5. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेंद यादव
6. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में चित्रित समाज जीवन – डॉ. विनय चौधरी
7. शिवप्रसाद सिंह का उपन्यास साहित्य – डॉ. राजेन्द्र खैरनार
8. महाकाव्यात्मक उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ. शंकर मुदगल
9. प्रगतिवादी हिंदी उपन्यास – डॉ. बदरी प्रसाद

10. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार
11. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का शिल्प विधान – डॉ. पी. व्ही. कोटमे
12. गिरिराज किशोर का उपन्यास साहित्य एक अनुशीलन – डॉ. सुरेश साळुंके
13. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ. मधु धवन
14. हिंदी साहित्य नए क्षितिज – डॉ. शशिभूषण सिंहल
15. हिंदी उपन्यास समकालीन विमर्श – डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी
16. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
17. समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष–डॉ. जालिंदर इंगले
18. आँचलिक उपन्यासों में वर्ण एवं वर्ग संघष – डॉ. अशोक धुलधुले
19. कथाकार संजीव – संपा. डॉ. गिरीश काशिद
20. आधुनिक हिंदी उपन्यास, भाग–1 –संपा : भीष्म साहनी
21 आधुनिक हिंदी उपन्यास, भाग–2 –संपा : डॉ. नामवर सिंह
22. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास : नए मूल्य – शशिगुप्ता
23. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र – संपा. नंदकिशोर नवल
24. प्रेमचंद के उपन्यास : कथासंरचना – डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव
25. शिवप्रसाद सिंह के कथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. टी. मीनाकुमारी
26. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में चित्रित समाज जीवन–डॉ. विनय चौधरी
27. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन –डॉ. भरतसगरे
28. भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन – डॉ. सुरेश बाबर
29. हिंदी उपन्यास सृजन और सिद्धांत – नरेंद्र कोहली
30. हिंदी उपन्यासों की दिशाएँ – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
31. गोदान : संवेदना और शिल्प – डॉ. चंद्रशेखर कर्ण

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-I** (Sem - II) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN4204

Tittle of Course : विशेष विधा : हिंदी विधा

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					3	2			
CO 2					3	3			
CO 3						3			
CO 4								3	
CO 5		3							
CO 6	3					2			
CO 7									
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO6- छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5-नैतिक मूल्यों से परिचित होकर अच्छे इंसान बनने की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1-हिंदी उपन्यास विधा से परिचित करना।

CO2-हिंदी उपन्यास तथा उपन्यासकारों से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1-हिंदी उपन्यास विधा से परिचित करना।

CO2-हिंदी उपन्यास तथा उपन्यासकारों से परिचित होंगे।

CO3-उपन्यास के स्वरूप विवेचन तथा विशेषताओं से परिचित कराना।

CO6-उपन्यास का आकलन कर लेखन और निर्माण की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4-हिंदी उपन्यास में चित्रित समस्या तथा परिस्थियों से परिचित कराना।